संतोष कुमार मल्ल, भा.प्र.से.
आयुक्त
Santosh Kumar Mall, I.A.S.
Commissioner

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
18, संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110016
दूरभाष : 91–11–26512579, फैक्स : 91–11–26852680
18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-110016 (India)
Tel. : 91-11-26512579, Fax : 91-11-26852680
E-mail : commissioner@kvsedu.org, Website : www.kvsangathan.nic.in

अपील

भाषा के द्वारा मनुष्य अपने विचारों का आदान – प्रदान करता है। अपनी बात को कहने के लिए और दूसरे की बात को समझने के लिए भाषा एक सशक्त माध्यम है। प्रत्येक राष्ट्र की अपनी कई भाषाएं भी हो सकती है परंतु सरकारी काम - काज में जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है और जो जन –संपर्क की भाषा होती है उसे ही राजभाषा का दर्जा प्राप्त होता है। वैसे भी कोई भी राष्ट्र बिना अपनी राजभाषा के विकास नहीं कर सकता है।

02. हमारा देश एक बहुभाषी एवं बहुसांस्कृतिक देश है। अपने देश की राजभाषा है- **हिन्दी**। राजभाषा के प्रति आदर एवं सरकारी काम – काज में हिन्दी के प्रयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि करने के संकल्प के उद्देश्य से हम प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को **'हिन्दी दिवस'** के रूप में मनाते हैं। वैसे भी हिन्दी एक सरल, समृद्ध और सशक्त भाषा है। इसकी लिपि वैज्ञानिक है और सरकारी कामकाज में हिन्दी को आसानी से प्रयोग में लाया जा सकता है।

03. यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि पिछले कुछ वर्षों में हिन्दी ने देश की सभी कम या ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं एवं बोलियों को समान आदर देते हुए उनसे आत्मीय संबंध स्थापित किया है। देश को एक सूत्र में पिरोने में भी हिन्दी ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिन्दी को राजभाषा का वास्तविक दर्जा प्रदान करने के लिए यह जरूरी है कि हम सभी अपने समस्त सरकारी कामकाज मूल रूप से हिन्दी में करें।

04. देश में केंद्रीय विद्यालय संगठन विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी संगठन है और जो अपने 25 क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से वर्तमान में 1135 केंद्रीय विद्यालयों का संचालन कर रहा है और यह संख्या निरंतर बढ़ रही है। इसलिए हमारा न केवल यह संवैधानिक अपितु नैतिक दायित्व भी है कि हम अपने समस्त कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें, साथ ही केंद्रीय विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों में राजभाषा हिन्दी के प्रति अपने राष्ट्र प्रेम का संचार करें।

05. मैं, इस अवसर पर अपील करता हूँ कि आइए हम सभी यह संकल्प लें कि आज से अपने कामकाज में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करेंगें और हिन्दी को विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा का दर्जा प्राप्त होने का गौरव प्रदान करने में तन से, मन से और निष्ठा से सतत प्रयत्नशील रहेंगें।

दिनांक :- 14 सितंबर, 2016

संतोष

(संतोष कुमार मल्ल)
आयुक्त